छपे पृष्ठो की कुल संख्या- 06

परमाणु ऊर्जा शिक्षण संस्था

आवधिक परीक्षण 1 (2025-26)

विद्यालय: परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय, केंद्र: मैसूर

कक्षा: X (दसवीं) **विषय: हिन्दी** **अंक: 40**

दिया गया पाठ्यक्रम: नेताजी का चश्मा, बाल गोबिंद भगत, सूर के पद, राम - लक्ष्मण -परशुराम संवाद, व्याकरण, अनुच्छेद लेखन और पत्र लेखन

विद्यार्थी का नाम: ____

अनुक्रमांक.______ कक्षा/अनुभाग:______ दिनांक: __________

(खंड - क अपठित बोध)

प्रश्न 1 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए। (4 अंक)

एक बार स्वामी विवेकानंद का एक शिष्य उनके पास आया और उसने कहा, 'स्वामी जी, मैं आप की तरह भारत की संस्कृति, दर्शन और रीति-रिवाज का प्रचार-प्रसार करने के लिए अमेरिका जाना चाहता हूं। यह मेरी पहली यात्रा है। आप मुझे विदेश जाने की अनुमति और अपना आशीर्वाद दें।' स्वामी जी ने उसे ऊपर से नीचे तक देखा फिर कहा, 'सोच कर बताऊंगा।' शिष्य हैरत में पड़ गया।

उसने फिर कहा, 'स्वामी जी, मैं आप की तरह सादगी से अपने देश की संस्कृति का प्रचार करूंगा। मेरा ध्यान और किसी चीज पर नहीं जाएगा।' विवेकानंद ने फिर कहा, 'सोच कर बताऊंगा।' शिष्य ने समझ लिया कि स्वामी जी उसे विदेश नहीं भेजना चाहते इसलिए ऐसा कह रहे हैं। लेकिन फिर भी वह उनके पास ही ठहर गया। दो दिनों के बाद स्वामी जी ने उसे बुलाया और कहा, 'तुम अमेरिका जाना चाहते हो तो जाओ। मेरा आशीर्वाद तुम्हारे साथ है।' शिष्य ने सोचा कि इतनी छोटी सी बात के लिए दो दिन सोचने में क्यों लगे। उसने अपनी यह दुविधा स्वामी जी को बतायी। स्वामी जी ने कहा, 'मैं दो दिनों में यह समझना चाहता था कि तुम्हारे अंदर कितनी सहनशक्ति है। कहीं तुम्हारा आत्मविश्वास डगमगा तो नहीं रहा है। लेकिन तुम दो दिनों तक यहां रह कर निर्विकार भाव से मेरे आदेश की प्रतीक्षा करते रहे। न क्रोध किया, न जल्दबाजी की और न ही धैर्य खोया। जिसमें इतनी सहनशक्ति और गुरू के प्रति प्रेम का भाव होगा, वह शिष्य कभी भटकेगा नहीं। मेरे अधूरे काम को वही आगे बढ़ा सकता है। किसी दूसरे देश के नागरिकों के मन में अपने देश की संस्कृति को अंदर तक पहुंचाने के लिए ज्ञान के साथ-

साथ, धैर्य, विवेक और संयम की आवश्यकता होती है। मैं इसी बात की परीक्षा ले रहा था।' शिष्य स्वामी जी की इस अनोखी परीक्षा से अभिभूत हो गया।

(i) स्वामी जी के शिष्य अमेरिका जाने का उद्देश्य था - कथन पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए- (1 अंक)

कथन – (i) भ्रमण के उद्देश्य से
(ii) भारतीय संस्कृति का प्रचार-प्रसार करने
(iii) भारतीय दर्शन और रीति-रिवाजों का प्रचार-प्रसार करने
(iv) अमरीका की संस्कृति जानने

विकल्प - (क) कथन (i) व (ii) सही है। (ख) कथन (i), (iii) व (iv) सही है।
(ग) कथन (ii) व (iii) सही हैं। (घ) कथन (i) व (iv) सही है।

(ii) स्वामी जी द्वारा उत्तर न दिए जाने पर शिष्य की क्या प्रतिक्रिया हुई? (1 अंक)

(क) वह क्रोध से आग बबूला हो गया
(ख) वह उत्तर की प्रतीक्षा किए बिना अमरीका चला गया
(ग) वह दो दिन तक निर्विकार भाव से उत्तर की प्रतीक्षा करता रहा
(घ) इनमें से कोई नहीं

(iii) स्वामी विवेकानन्द जी ने शिष्य की कठिन परीक्षा क्यों ली थी? (2 अंक)

प्रश्न 2 निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए। (4 अंक)

देश के आजाद होने पर बिता लंबी अवधि
अब असहय इस दर्द से हैं धमनियाँ फटने लग
व्यर्थ सीढ़ीदार खेतों में कड़ी मेहनत किए
हो गया हूँ और जर्जर, बोझ ढोकर थक गया
अब मरूँगा तो जलाने के लिए मुझको,
अरे ! दो लकड़ियाँ भी नहीं होंगी सुलभ इन जंगलों से ।
वन कहाँ हैं ? जब कुल्हाड़ों की तृषा है बढ़ रही
काट डाले जा रहे हैं मानवों के बंधु तरुवर फूल से, फल से,
दलों से, मूल से, तरु-छाल से
सर्वस्व देकर जो मनुज को लाभ पहुँचाते सदा कट रहे हैं ये सभी वन,
पर्वतों की दिव्य शोभा हैं निरंतर हो रही विद्रूप.
ऋतुएँ रो रहीं गगनचुम्बी वन सदा जिनके हृदय से फूटते झरने,

नदी बहती सुशीतल नीर हर पहर नित चहकते हैं
कूकते रहते विहग फूल पृथ्वी का सहज श्रृंगार करते हैं जहाँ

(i). अब असह्य इस दर्द से' – में असह्य दर्द का कारण क्या है? (1 अंक)

(क) आजादी के बाद लम्बी अवधि बिता देना। (ख) खेतों में कड़ी मेहनत करना ।
(ग) वनों का न रहना। (घ) जर्जर हो जाना।

(ii). 'जब कुल्हाड़ों की तृषा है बढ़ रही'-कथन से क्या तात्पर्य है? (1 अंक)

(क) हिंसा बढ़ना। (ख) सामाजिक क्रांति होना ।
(ग) युद्ध का अवसर आना। (घ) पेड़ों को काटकर भी तृप्त न होना।

(iii) पर्वतों की शोभा हमेशा विद्रूप क्यों हो रही है? (2 अंक)

<u>(खंड - ख (व्यावहारिक व्याकरण) 8 अंक)</u>

प्रश्न 3. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित <u>पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों</u> के उत्तर लिखिए-
(1×4= 4 अंक)

(क) पानवाला नया पान खा रहा था। **(कर्मवाच्य में बदलिए)**

(ख) नेताजी ने देश के लिए अपना सब कुछ त्याग दिया। (**वाच्य भेद बताइए)**

(ग) ड्राइवर ने जोर से ब्रेक मारे। **(कर्मवाच्य में बदलिए)**

(घ) माँ बैठ नहीं सकती। **(भाववाच्य में बदलिए)**

(ङ) माँ रो भी नहीं सकती। (**वाच्य भेद बताइए)**

प्रश्न 4. निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त <u>किन्हीं दो अलंकारों को</u> पहचान कर लिखिए –
(1×2= 2 अंक)

(क) कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा।

(ख) तुम्ह तौ कालु हाँक जनु लावा।

(ग) लखन उतर आहुति सरिस भृगुबरकोपु कृसानु। बढ़त देखि जल सम बचन बोले रघुकुलभानु।।

प्रश्न 5. नीचे दिए गए किन्हीं दो शद्बों का क्रिया-विशेषण पहचान कर लिखो। (1×2= 2 अंक)

(क) दिन-दिन (ख) बिल्कुल कम (ग) नजदीक (घ) पंक्तिबद्ध

(खंड - ग (पठित बोध) 14 अंक)

प्रश्न 6. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- (1×3=3अंक)

यानी चश्मा तो था , लेकिन संगमरमर का नहीं था। एक सामान्य और सचमुच के चश्मे का चौड़ा काला फ्रेम मूर्ति को पहना दिया गया था। हालदार साहब जब पहली बार इस कस्बे से गुज़रे और चौराहे पर पान खाने रुके तभी उन्होंने इसे लक्षित किया और उनके चेहरे पर एक कौतुकभरी मुसकान फैल गई। वाह भई ! यह आइडिया भी ठीक है। मूर्ति पत्थर की , लेकिन चश्मा रियल ! जीप कस्बा छोड़कर आगे बढ़ गई तब भी हालदार साहब इस मूर्ति के बारे में ही सोचते रहे , और अंत में इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि कुल मिलाकर कस्बे के नागरिकों का यह प्रयास सराहनीय ही कहा जाना चाहिए। महत्त्व मूर्ति के रंग – रूप या कद का नहीं , उस भावना का है वरना तो देश – भक्ति भी आजकल मजाक की चीज़ होती जा रही है।

(i) किसे देखकर हवलदार के चेहरे पर कौतुकभरी मुस्कान फ़ैल गई?
(क) पानवाले को (ख) बच्चे को
(ग) मूर्ति के चेहरे को (घ) इनमें से कोई नहीं

(ii) चश्मेवाले के प्रति पानवाले के मन में कैसी भावना थी?
(क) घृणा (ख) उत्साह (ग) उपेक्षा (घ) इनमें से कोई नहीं

(iii) हालदार साहब ने पानवाले से क्या प्रश्न किया ?
(क) तुम्हारा पान अब अच्छा नहीं रहा
(ख) तुमने अच्छा पान बनाना किससे सीखा
(ग) नेताजी का चश्मा किसने बनाया
(घ) नेताजी का चश्मा हर बार कैसे बदल जाता है

प्रश्न 7. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- (1x3 = 3 अंक)

नाथ संभुधनु भंजनिहारा। होइहि केउ एक दास तुम्हारा ।।
आयेसु काह कहिअ किन मोही। सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही।।
सेवकु सो जो करै सेवकाई। अरि करनी करि करिअ लराई ।।
सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा। सहसबाहु सम सो रिपु मोरा ।।
सो बिलगाउं बिहाइ समाजा। न त मारे जैहहिं सब राजा ।।
सुनि मुनि बचन लखन मुसुकाने। बोले बरसुधरहि अवमाने ।।
बहु धनुहीं तोरी लरिकाईं। कबहुँ न असि रिस कीन्हि गोसाईं ।।
एहि धनु पर ममता केहि हेतू। सुनि रिसाइ कह भृगुकुलकेतू ।।
रे नृप बालक कालबस, बोलत तोहि न सँभार।
धनुही सम तिपुरारि धनु, बिदित सकल संसार ।।

(i) तुलसीदास किस शाखा के प्रतिनिधि कवि थे?

(क) बल्लभमार्गी शाखा
(ख) शिवामार्गी शाखा
(ग) कृष्णमार्गी शाखा
(घ) राममार्गी शाखा

(ii) शिवजी के धनुष तोड़ने वाले की तुलना परशुराम ने अपने किस शत्रु से की है?

(क) सहस्रबाहु
(ख) घटोत्कच
(ग) कर्ण
(घ) दुर्वासा ऋषि

(iii) लक्ष्मण की किस बात से परशुराम की क्रोधाग्नि भड़क गई?

(क) लक्ष्मण द्वारा परशुराम को कायर बताने पर
(ख) शिवजी के धनुष को धनुहीं कहने पर
(ग) बिना वात के बोलने पर
(घ) लक्ष्मण द्वारा धनुष तोड़ने पर

प्रश्न 8. गद्य और पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए । (2×4=8अंक)

(i) बालगोबिन भगत रेखाचित्र सामाजिक रूढ़ियों पर प्रहार करता है। स्पष्ट कीजिए।

(ii) अमुक व्यक्ति 'साधु' है-यह आप किस आधार पर कहेंगे? 'बालगोबिन भगत' पाठ के आधार पर बताइये।

(iii) उद्धव ज्ञानी थे, नीति की बातें जानते थे; गोपियों के पास ऐसी कौन-सी शक्ति थी जो उनके वाक्चातुर्य में मुखरित हो उठी?

(iv) गोपियों ने यह क्यों कहा कि हरि अब राजनीति पढ़ आए हैं? क्या आपको गोपियों के इस कथन का विस्तार समकालीन राजनीति में नज़र आता है, स्पष्ट कीजिए।

खंड - घ (रचनात्मक लेखन) 10 अंक

प्रश्न 9. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए। **(5 अंक)**

(क) विदेशों के प्रति बढ़ता मोह

संकेत बिन्दु: - विदेश के प्रति बढ़ता आकर्षण, आर्थिक संपन्नता , बेहतरीन जीवन-शैली

(ख) ऑनलाइन शिक्षा: शिक्षा जगत में नवीन क्रांति

संकेत बिन्दु: - वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अनिवार्यता, सकारात्मक प्रभाव , कमियाँ , सुझाव

(ग) मीठी बोली का महत्व

संकेत बिन्दु:- मीठी बोली एक वरदान , लोकप्रियता का साधन , कटु वाणी के दुष्परिणाम

प्रश्न 10. आपके क्षेत्र में सरकारी राशन की दुकान का संचालक गरीबों के लिए आए अनाज की कालाबाजारी करता है, और कुछ कहने पर धमकाता है | उसकी शिकायत करने हेतु लगभग 120 शब्दों में जिलाधिकारी को पत्र लिखिए। **(5 अंक)**

अथवा

आपका एक मित्र शिमला में रहता है | आप उसके आमंत्रण पर ग्रीष्मावकाश में वहाँ गए थे। प्राकृतिक सौन्दर्य का खूब आनंद उठाया था| घर वापस लौटने पर कृतज्ञता व्यक्त करते हुए मित्र को पत्र लिखिए।

____________________________THE END____________________